Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
09 May
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Result Mitra
NEWS
FIND
Social Network
Access Denied

Quote of the Day

Result Mitra

शिक्षा से अच्छा दोस्त दुनिया में कोई नहीं होता।
शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है।

Result Mitra

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

UPSC Mains Paper - 2

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने 7 मई की आधी रात को पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- इस हमले में 7 शहरों के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं।
- इस ऑपरेशन ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को फिर से मजबूत किया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

ऑपरेशन सिंदूर: एक अवलोकन

- 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी ढांचों को नष्ट करना था।
- इस ऑपरेशन का नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने पतियों को खोया। 'सिंदूर' शब्द भारतीय संस्कृति में सुहागिन महिलाओं के सम्मान का प्रतीक है, और यह ऑपरेशन उन शहीदों के परिवारों के दर्द को न्याय दिलाने का प्रतीक बना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

ऑपरेशन सिंदूर: एक अवलोकन

- ऑपरेशन 7 मई 2025 की रात 1:05 बजे से 1:30 बजे के बीच अंजाम दिया गया।
- 1971 के युद्ध के बाद यह पहली बार था जब भारत की थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

ऑपरेशन सिंदूर: एक अवलोकन

- भारतीय वायुसेना ने मिराज 2000, सुखोई-30 एमकेआई, और राफेल फाइटर जेट्स के साथ-साथ ब्रह्मोस, स्कैल्प क्रूज मिसाइल, और SPICE 2000 जैसे विशेष गोला-बारूद का उपयोग किया। कुल 24 मिसाइलें दागी गईं।
- ऑपरेशन में सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों और कामिकेज़ ड्रोनों का भी इस्तेमाल हुआ, जिससे नागरिक क्षति को न्यूनतम रखा गया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

निशाने पर आतंकी ठिकाने

ऑपरेशन में पाकिस्तान और PoK के सात शहरों में जिन 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। वे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के प्रमुख केंद्र थे।

- 1.सवाई नाला, मुजफ्फराबाद: लश्कर-ए-तैयबा का ट्रेनिंग सेंटर, जहां पहलगाम हमले के आतंकियों को प्रशिक्षित किया गया।
- 2.सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद: हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग का केंद्र।

9 आतंकी ठिकानों पर भारत का हवाई हमला

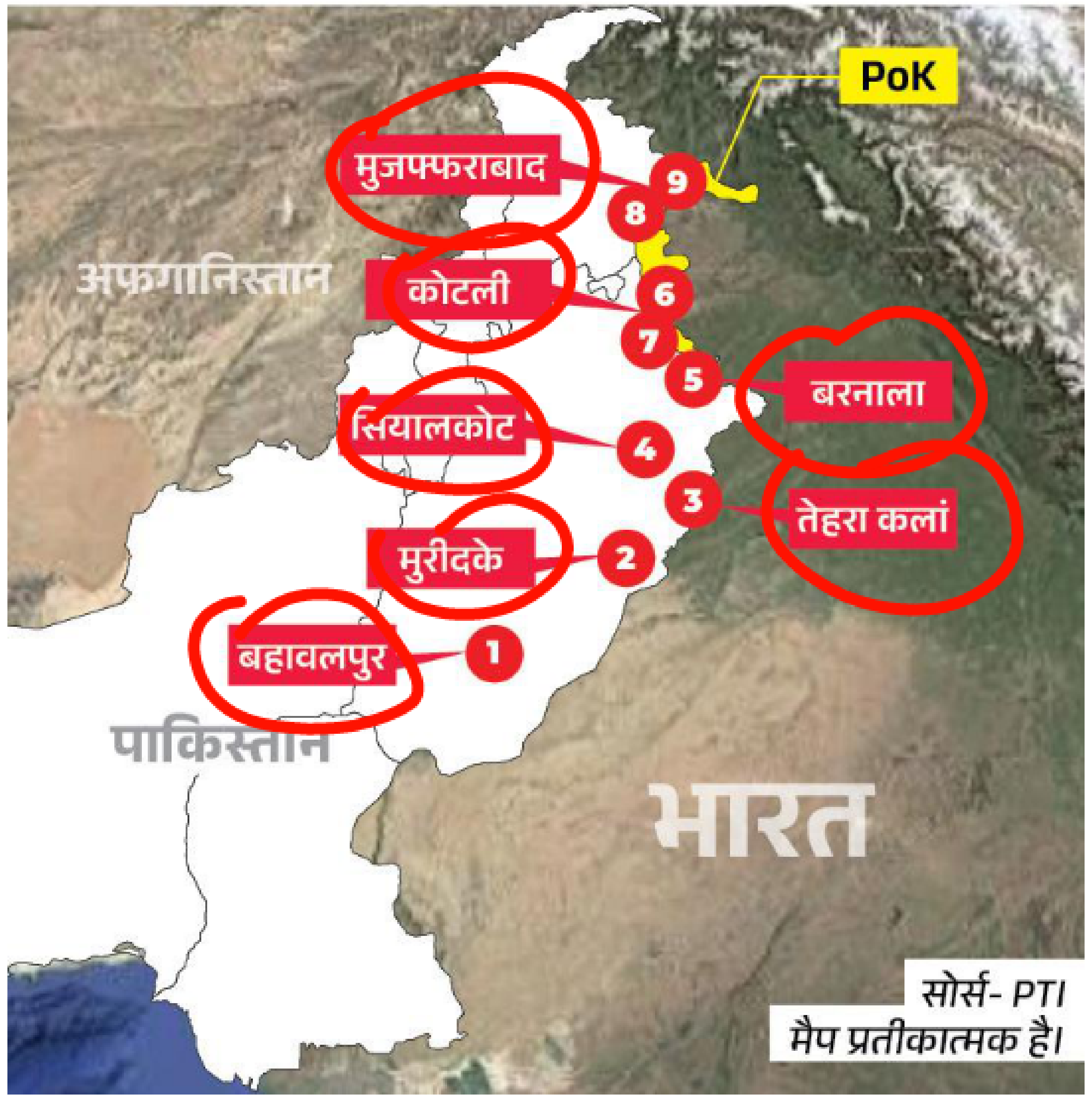

सोर्स- PTI
मैप प्रतीकात्मक है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

निशाने पर आतंकी ठिकाने

- 3. कोटली गुरपुर कैंप: 2023 में पूंछ में श्रद्धालुओं पर हमले के आतंकियों का प्रशिक्षण केंद्र।
- 4. बरनाला कैंप, भिम्बर: हथियार हैंडलिंग का प्रशिक्षण केंद्र।
- 5. अब्बास कैंप, कोटली: फिदायीन हमलावर तैयार करने का केंद्र, जो LoC से 13 किमी दूर है।
- 6. सरजल कैंप, सियालकोट: मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के लिए आतंकियों को प्रशिक्षित करने वाला केंद्र।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

निशाने पर आतंकी ठिकाने

- 7. महमूना जाया कैंप, सियालकोट: हिजबुल मुजाहिदीन का नियंत्रण केंद्र, कठुआ और पठानकोट हमलों की योजना यहीं बनी।
- 8. मरकद तैयबा, मुरीदके: लश्कर का प्रमुख केंद्र, जहां 26/11 मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब को प्रशिक्षित किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

निशाने पर आतंकी ठिकाने

- 9. मरकज सुभानअल्लाह, बहावलपुर: जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय, जहां भर्ती और प्रशिक्षण होता था।
- रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऑपरेशन में 70 से 100 आतंकी मारे गए, और किसी भी नागरिक क्षति की पुष्टि नहीं हुई।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

भारत का रुख

- भारतीय रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, और किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा या नागरिक क्षेत्र को क्षति नहीं पहुंचाई गई।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रातभर ऑपरेशन की निगरानी की और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ समन्वय बनाए रखा।

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

भारत का रुख

- भारत ने यह भी सुनिश्चित किया कि कार्रवाई युद्ध भड़काने के बजाय आतंकवाद को समाप्त करने पर केंद्रित रहे।
- भारतीय सेना ने अपने बयान में कहा, "न्याय हुआ, जय हिंद।"
- भारत ने फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) में भी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की प्रक्रिया शुरू की, जिसे अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने समर्थन दिया।

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra™

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया

- पाकिस्तान ने ऑपरेशन को "कायराना" और "उकसावे वाली कार्रवाई" करार दिया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि यदि भारत हमले रोक देता है, तो पाकिस्तान भी जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा।
- हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया और सरकार के बयानों में विरोधाभास दिखा। कुछ ने दावा किया कि 6 भारतीय फाइटर जेट मार गिराए गए, जबकि अन्य ने नागरिक हताहतों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बताई।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra™

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन को "शर्मनाक" बताते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान तनाव दशकों पुराना है, और उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द खत्म होगा।
- चीन ने भारत की सैन्य कार्रवाई को "दुर्भाग्यपूर्ण" करार दिया, जबकि इजराइल ने भारत की एयर स्ट्राइक का खुलकर समर्थन किया।

भारत का पाकिस्तान को जवाब

उरी हमला

18 सितंबर, 2016

भारी हथियारों से लैस 4 आतंकवादियों ने LoC के पास उरी सेक्टर में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हमला किया और कैंप में सो रहे **19 जवानों की हत्या** कर दी।

11 दिन बाद भारत का जवाब- सर्जिकल स्ट्राइक

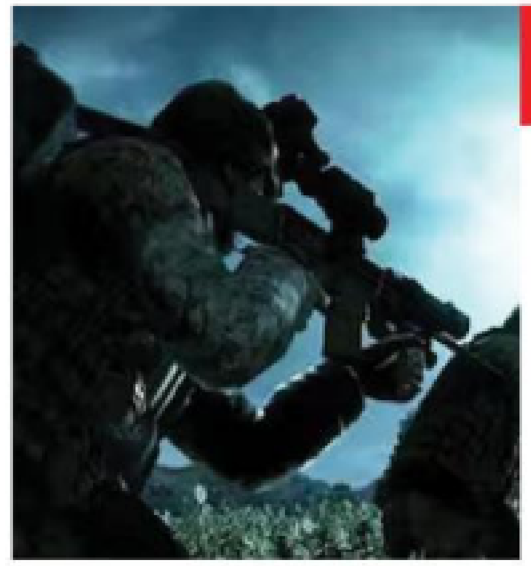

29 सितंबर, 2016

भारतीय सेना के 25 कमांडो ने LoC पार करके PoK में सर्जिकल स्ट्राइक की। आतंकियों के 6 लॉन्चपैड तबाह किए और करीब **40 आतंकी मार गिराए।**

DAILY
CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

भारत का पाकिस्तान को जवाब

उरी हमला

18 सितंबर, 2016

भारी हथियारों से लैस 4 आतंकवादियों ने LoC के पास उरी सेक्टर में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हमला किया और कैंप में सो रहे **19 जवानों की हत्या** कर दी।

11 दिन बाद भारत का जवाब- सर्जिकल स्ट्राइक

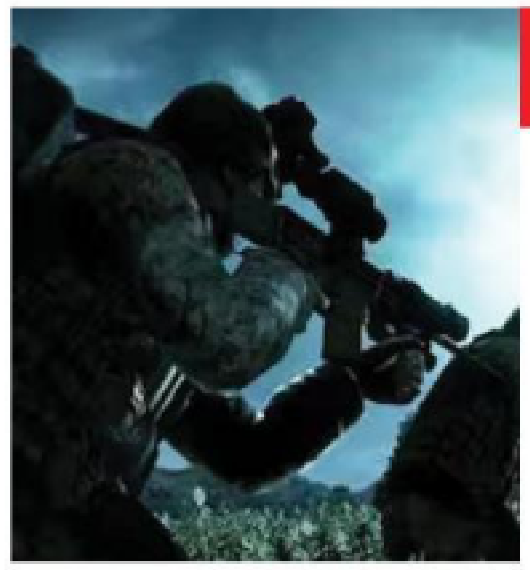

29 सितंबर, 2016

भारतीय सेना के 25 कमांडो ने LoC पार करके PoK में सर्जिकल स्ट्राइक की। आतंकियों के 6 लॉन्चपैड तबाह किए और करीब **40 आतंकी मार गिराए।**

पुलवामा हमला

14 फरवरी, 2019

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर CRPF जवानों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ। इसमें **40 जवान शहीद** हो गए।

12 दिन बाद भारत का जवाब- एयर स्ट्राइक

26 फरवरी, 2019

एयरफोर्स के 12 मिराज- 2000 जेट्स ने LoC पार करके बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हमला किया और करीब **300 आतंकवादी मार गिराए।**

पहलगाम हमला

22 अप्रैल, 2025

बायसरन घाटी में आतंकियों ने **26 टूरिस्ट्स की हत्या** की। टूरिस्ट में नेपाल का भी एक नागरिक शामिल था।

15 दिन बाद भारत का जवाब- एयर स्ट्राइक

7 मई, 2025

पाकिस्तान और PoK में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। इसमें **5 PoK में और 4 पाकिस्तान में हैं।**

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं

- संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की।
- भारत ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को ऑपरेशन की जानकारी दी, जिससे कार्रवाई की पारदर्शिता बनी रही।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

भारत ने मिसाइल स्ट्राइक ही क्यों चुनी?

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के मुकाबले मिसाइल अटैक चुनने की 3 बड़ी वजहे है -

- 1. राफेल जेट्स में लगी SCALP-EG जैसी क्रूज मिसाइल इतनी नीचे और तेज उड़ती है कि इन्हें ट्रैक करना और रोक पाना पाकिस्तान के लिए लगभग नामुमकिन है।
- 2. ऐसे मिसाइल अटैक इतने सटीक होते हैं कि सीधा टारगेट को हिट करते हैं। कोलैटरल डैमेज की संभावना बेहद कम हो जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

भारत ने मिसाइल स्ट्राइक ही क्यों चुनी?

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के मुकाबले मिसाइल अटैक चुनने की 3 बड़ी वजहे है -

- 3. मिसाइल अटैक को भारत की सीमा में रहकर लॉन्च किया जा सकता है। एयरस्ट्राइक में फाइटर जेट्स के शूटडाउन का खतरा होता है और सर्जिकल स्ट्राइक में कमांडोज के पकड़े जाने का, लेकिन मिसाइल स्ट्राइक में ऐसा कोई खतरा नहीं होता।

DAILY CURRENT AFFAIRS

ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम हमले का जवाब

Result Mitra

अब आगे क्या होगा?

- भारत ने भले ही आतंकी ठिकानों पर मिसाइल स्ट्राइक की है, लेकिन पाकिस्तान इसे एक्ट ऑफ वार बता रहा है। ऐसे में वो जवाबी कार्रवाई कर सकता है।
- हालांकि अभी ये कार्रवाई जंग का मोर्चा खोलने जैसी नहीं होगी।
- पाकिस्तान भी सीमित जवाबी कार्रवाई ही करेगा, हालांकि, इससे हालात बिगड़ सकते हैं।
- हालात बिगड़े तो बात जंग तक पहुंच सकती है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम किससे संबंधित है?

A) शहीद सैनिकों के परिवारों के सम्मान में

B) उन महिलाओं से जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने पतियों को खोया

C) भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए

D) आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: B) उन महिलाओं के सम्मान में जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने पतियों को खोया

व्याख्या:

➢ 'सिंदूर' शब्द भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण प्रतीक है, जो विवाहित महिलाओं के सम्मान का प्रतीक है। यह प्रश्न सांस्कृतिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए ऑपरेशन के भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर करता है।

Result Mitra

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

UPSC Mains Paper - 1

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 5 मई 2025 को कोलंबिया विश्वविद्यालय में पुलित्ज़र पुरस्कार बोर्ड ने पत्रकारिता और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुलित्ज़र पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा की।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

पुलित्ज़र पुरस्कार के बारे में

- प्रतिष्ठा: पुलित्ज़र पुरस्कार को अमेरिका में पत्रकारिता का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। यह साहित्य, नाटक और संगीत में भी उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
- इतिहास: इसकी शुरुआत 1917 में जोसेफ पुलित्ज़र, एक प्रसिद्ध समाचार पत्र प्रकाशक, की वसीयत से हुई। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता स्कूल और पुरस्कार स्थापित करने के लिए धन दिया।

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

पुलित्ज़र पुरस्कार के बारे में

- प्रशासन: कोलंबिया विश्वविद्यालय और पुलित्ज़र पुरस्कार बोर्ड, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त न्यायाधीश शामिल हैं, पुरस्कारों का प्रबंधन करते हैं।
- पुरस्कार राशि: प्रत्येक विजेता को 15,000 डॉलर और एक प्रमाण-पत्र मिलता है, जबकि सार्वजनिक सेवा श्रेणी में स्वर्ण पदक दिया जाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

- वर्ष 2025 के पुरस्कार 23 श्रेणियों में प्रदान किए गए, जिनमें 15 पत्रकारिता और 8 कला (पुस्तक, नाटक, संगीत) श्रेणियाँ शामिल हैं। इस वर्ष पुरस्कारों ने सामाजिक मुद्दों, जैसे फेंटानाइल संकट, गर्भपात कानूनों के प्रभाव और वैश्विक संघर्षों पर गहन पत्रकारिता को उजागर किया।

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

कला श्रेणियाँ

- कथा साहित्य: पर्सीवल एवरेट को उपन्यास जेम्स के लिए सम्मानित किया गया। यह मार्क ट्वेन के हकलबेरी फिन का पुनर्कथन है, जो एक गुलाम की दृष्टि से प्रस्तुत है। उपन्यास ने 2024 का नेशनल बुक अवॉर्ड भी जीता।
- नाटक: ब्रैंडन जैकब्स-जेनकिंस को पर्पस के लिए पुरस्कार मिला, जो एक धनी अश्वेत परिवार की जटिलताओं को दर्शाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

विजेताओं की सूची

इतिहास (संयुक्त):

- कॉम्बी: हैरियट टबमैन, कॉम्बी रिवर रेड, एंड ब्लैक फ्रीडम ड्यूरिंग द सिविल वॉर - एडा एल. फील्ड्स-ब्लैक।
- नेटिव नेशंस: ए मिलेनियम इन नॉर्थ अमेरिका - कैथलीन डुवाल।
- जीवनी: एवरी लिविंग थिंग - जेसन रॉबर्ट्स, कार्ल लिनिअस और जॉर्जेस-लुई Leclerc की कहानी।

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

इतिहास (संयुक्त):

- संस्मरण: फीडिंग घोस्ट्स - टेसा हल्स, तीन पीढ़ियों की चीनी महिलाओं का ग्राफिक संस्मरण।
- कविता: न्यू एंड सिलेक्टेड पोएम्स - मैरी होवे।
- सामान्य गैर-कथा: टू द सक्सेस ऑफ अवर होपलेस कॉज - बेंजामिन नैथंस, सोवियत असंतुष्ट आंदोलन पर।
- संगीत: स्काई आइलैंड्स - सूसी इबारा, जैव विविधता पर आधारित रचना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

पत्रकारिता श्रेणियाँ

- पब्लिक सर्विस: प्रोपब्लिका (काविता सुर्णा, लिज़ी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो, स्टेसी क्रैनिट्ज़) - गर्भपात कानूनों के अस्पष्ट अपवादों से गर्भवती महिलाओं की मृत्यु पर।
- ब्रेकिंग न्यूज़: वाशिंगटन पोस्ट - 13 जुलाई 2024 को डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या के प्रयास की कवरेज।
- जाँचात्मक: रॉयटर्स - फेंटानाइल आपूर्ति श्रृंखला का खुलासा।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

पत्रकारिता श्रेणियाँ

- स्पष्टीकरण: न्यूयॉर्क टाइम्स (आज़म अहमद, क्रिस्टीना गोल्डबॉम, मैथ्यू ऐकिन्स) - अफगानिस्तान में अमेरिकी नीतियों की विफलता।
- स्थानीय: बाल्टिमोर बैनर और NYT (अलिसा झू, निक थीम, जेसिका गैलाघर) - बाल्टिमोर फेंटानाइल संकट।
- राष्ट्रीय: वॉल स्ट्रीट जर्नल - एलन मस्क की गतिविधियों पर।
- अंतरराष्ट्रीय: न्यूयॉर्क टाइम्स (डेक्लन वॉल्श और स्टाफ) - सूडान संघर्ष।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पुलिट्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

पत्रकारिता श्रेणियाँ

- विशेष लेखन: मार्क वॉरेन (एस्क्वायर)।
- टिप्पणी: मोसाब अबू तोहा (द न्यू यॉर्कर)।
- समीक्षा: एलेक्जेंड्रा लैंग (ब्लूमबर्ग सिटीलैब) - वास्तुशिल्प डिज़ाइन पर।
- संपादकीय लेखन: ह्यूस्टन क्रॉनिकल (राज मांकड, शेरन स्टाइनमैन, लीसा फाल्केंबर्ग, लीहा बिनकोविट्ज़)।

पुलिज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

पत्रकारिता श्रेणियाँ

- चित्रित रिपोर्टिंग और टिप्पणी: एन टेल्नेस (वाशिंगटन पोस्ट)।
- ब्रेकिंग न्यूज़ फोटोग्राफी: डग मिल्स (NYT) - ट्रंप हत्या प्रयास की तस्वीरें।
- विशेष फोटोग्राफी: मोइसेस समन (द न्यू यॉर्कर)।
- ऑडियो रिपोर्टिंग: द न्यू यॉर्कर स्टाफ।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पुलित्ज़र पुरस्कार 2025

Result Mitra

विजेताओं की सूची

विशेष सम्मान

- विशेष उल्लेख: स्वर्गीय चक स्टोन को सिविल राइट्स मूवमेंट की कवरेज और नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स की सह-स्थापना के लिए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न 1: निम्नलिखित में से कौन सा कथन पुलित्ज़र पुरस्कार के बारे में सही है?

1.पुलित्ज़र पुरस्कार केवल पत्रकारिता क्षेत्र में दिया जाता है।

2. पुलित्ज़र पुरस्कार की शुरुआत 1917 में जोसेफ पुलित्ज़र की वसीयत से हुई थी।

3. पुलित्ज़र पुरस्कार कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

4. पुलित्ज़र पुरस्कार केवल साहित्यिक कार्यों के लिए दिया जाता है।

सही विकल्प का चयन करें

A) केवल 1 और 3 सही हैं

B) केवल 2, 3 और 4 सही हैं

C) केवल 2 और 3 सही हैं

D) सभी कथन सही हैं

Result Mitra

उत्तर: C) केवल 2 और 3 सही हैं

➢ व्याख्या:

➢ पुलित्ज़र पुरस्कार न केवल पत्रकारिता बल्कि साहित्य, नाटक, और संगीत के लिए भी दिया जाता है। यह पुरस्कार कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित किया जाता है, और इसकी शुरुआत जोसेफ पुलित्ज़र की वसीयत से हुई थी।

Result Mitra

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

UPSC Mains Paper - 1

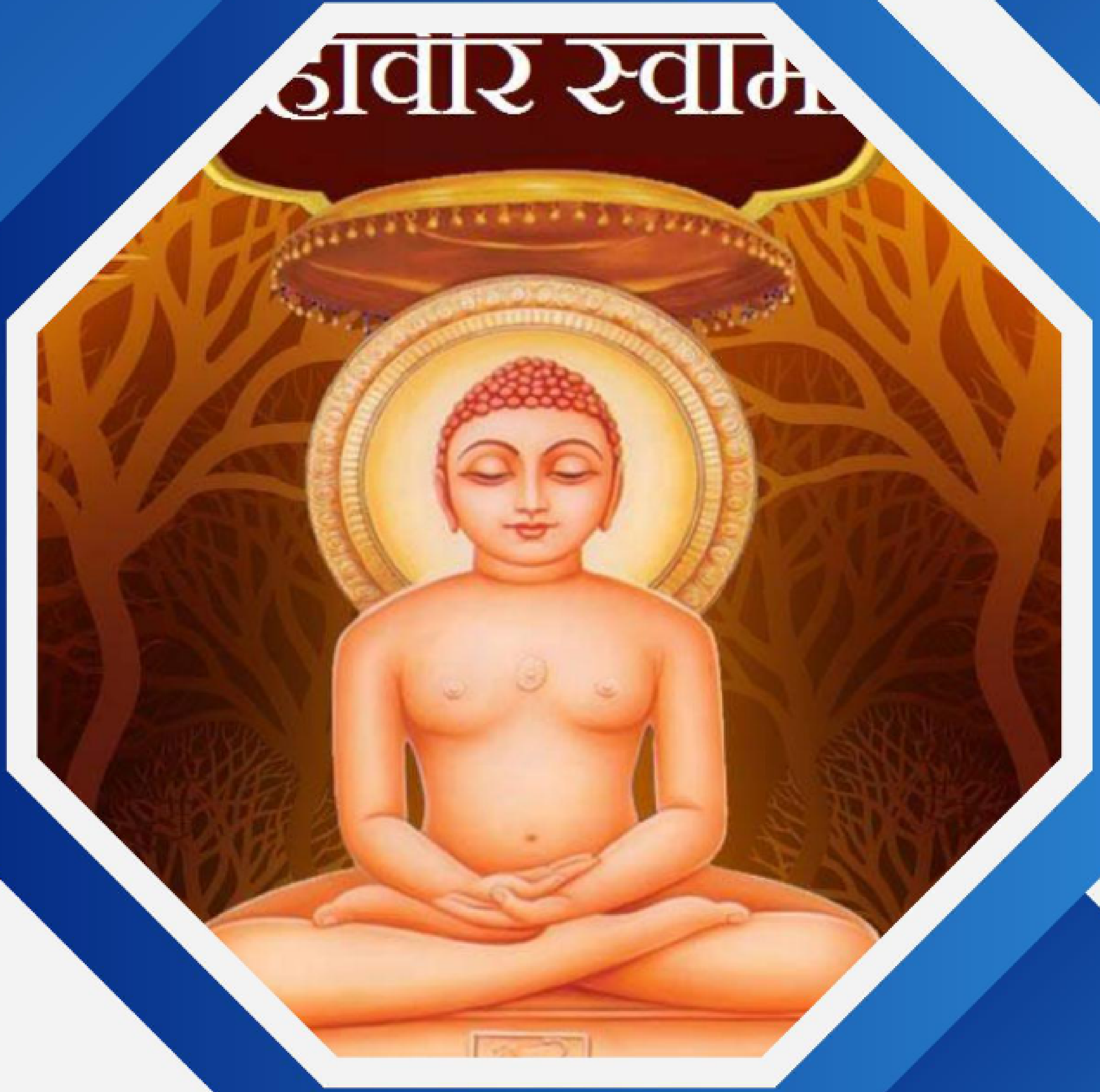

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 7 मई 2025 को जैन समुदाय ने वैशाख शुक्ल दशमी पर भगवान महावीर स्वामी का कैवल्य ज्ञान दिवस उत्साह के साथ मनाया।

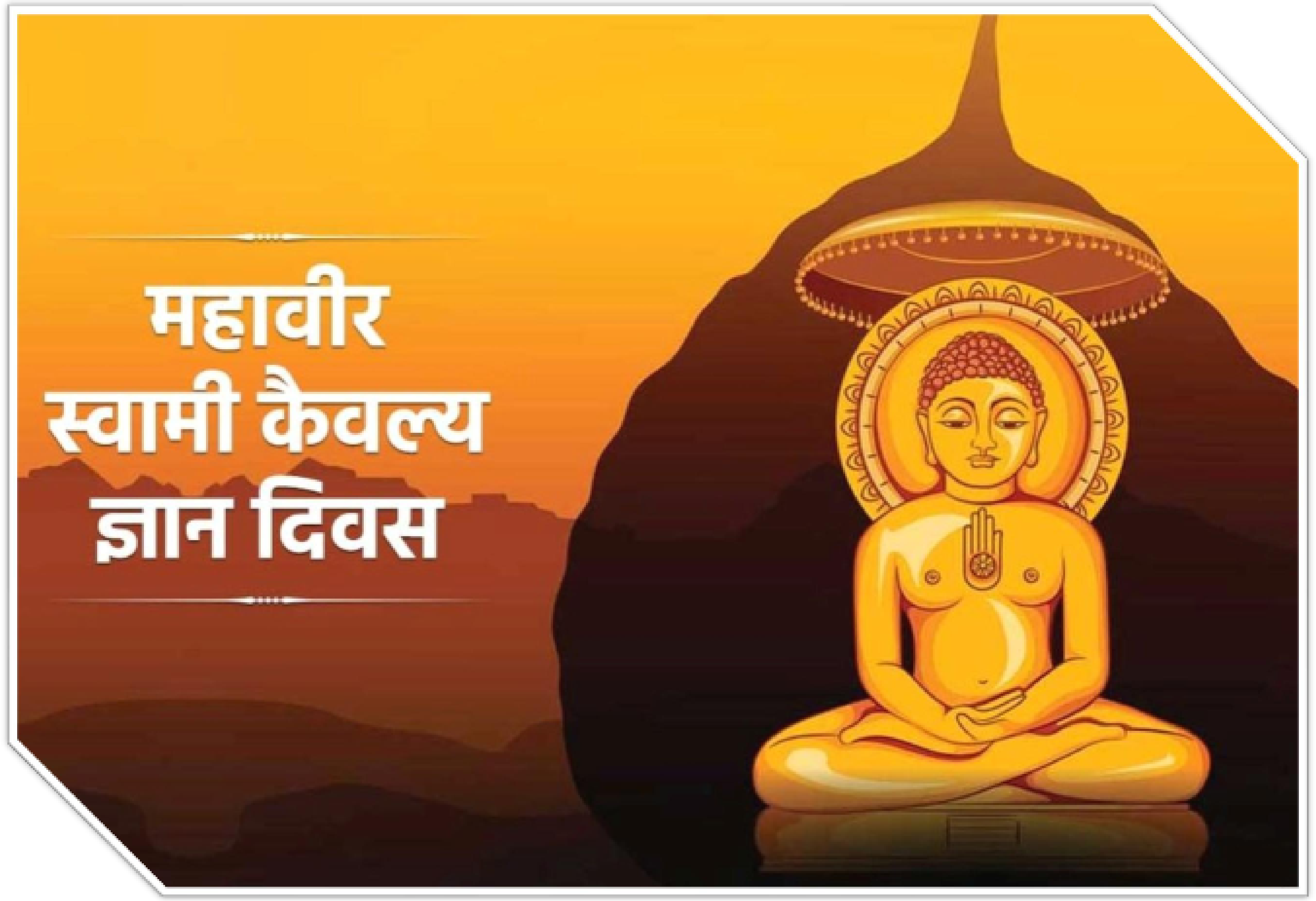

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

- कैवल्य ज्ञान दिवस जैन धर्म के सबसे पवित्र दिनों में से एक है, जो भगवान महावीर की सर्वज्ञता प्राप्ति का उत्सव है।
- यह दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर द्वारा कैवल्य ज्ञान (सर्वज्ञता) की प्राप्ति का प्रतीक है। जैन धर्म में यह एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक घटना है, जो आत्म-जागरूकता, अहिंसा और मोक्ष के मार्ग को दर्शाती है।

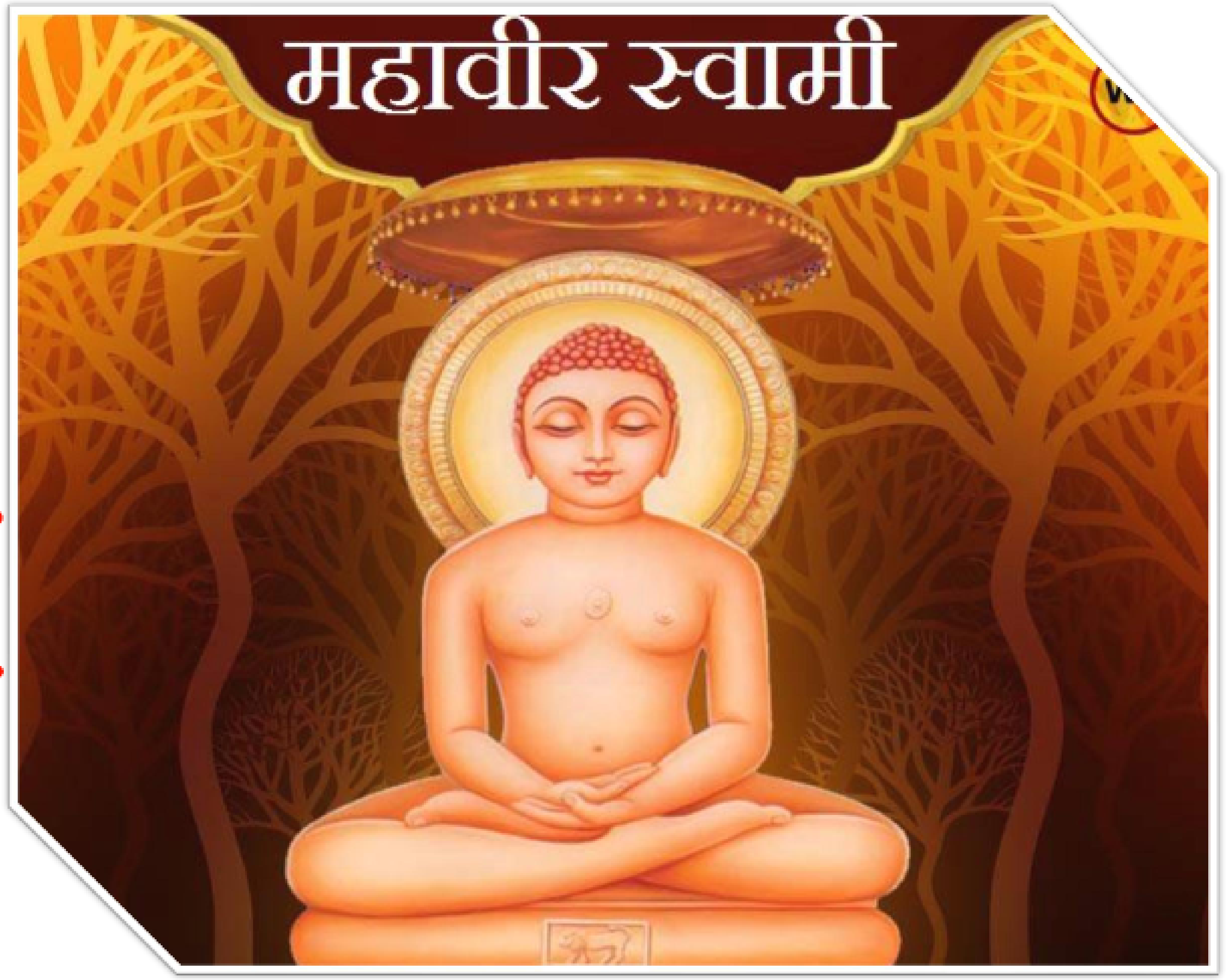

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

- 2025 में, वैशाख शुक्ल दशमी (7 मई) को देशभर के जैन मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएँ, रथ यात्राएँ और अभिषेक समारोह आयोजित किए गए।
- जैन समुदाय ने अहिंसा रैलियों और दान कार्यों में भाग लिया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

कैसे हुआ था महावीर को कैवल्य ज्ञान

24वें तीर्थंकर

- भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर साधना शुरू की।
- बारह वर्ष और पांच महीने तक उन्होंने कठोर तपस्या, मौन और गहन ध्यान किया।
- इस दौरान वे जंगलों, पार्कों और निर्जन स्थानों में रहे, सभी कष्टों को धैर्यपूर्वक सहन करते हुए।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

कैसे हुआ था महावीर को कैवल्य ज्ञान

- वैशाख शुक्ल दशमी (विक्रम संवत 249, लगभग 527 ईसा पूर्व) को, झारखंड के जंबूद्वीप (जंबियाग्राम) में ऋजुबालिका नदी के तट पर एक शाल वृक्ष के नीचे ध्यानमग्न महावीर को कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

कैसे हुआ था महावीर को कैवल्य ज्ञान

- सूर्यास्त के समय, जब उनके चार गहन कर्मों (ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, अंतराय और मोहनीय) का नाश हुआ, उनकी आत्मा में सर्वज्ञता का प्रकाश फैला।
- इसके बाद, उन्होंने समवसरण (दिव्य सभा) में पहला उपदेश दिया, जो अहिंसा और समानता पर आधारित था।

DAILY CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

क्या होता है कैवल्य ज्ञान

- जैन धर्म में कैवल्य ज्ञान सर्वोच्च आध्यात्मिक अवस्था है, जिसमें आत्मा सभी कर्मों से मुक्त होकर सर्वज्ञ और सर्वदर्शी हो जाती है।
- यह सम्यक् ज्ञान (पूर्ण ज्ञान) का प्रतीक है, जो सम्यक् दर्शन (सही विश्वास) और सम्यक् चरित्र (सही आचरण) के साथ त्रिरत्न का हिस्सा है।
- कैवल्य ज्ञान प्राप्त व्यक्ति को केवलिन, जिन (विजेता) या अरिहंत कहा जाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

क्या होता है कैवल्य ज्ञान

- महावीर के अनुसार, यह ज्ञान आत्मा को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त कर मोक्ष प्रदान करता है।
- यह अनेकांतवाद (बहु-पक्षीय सत्य) और स्याद्वाद (सापेक्ष सत्य) के दर्शन को भी मजबूत करता है, जो जैन दर्शन के मूल सिद्धांत हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

महावीर के बारे में

- भगवान महावीर, जिनका मूल नाम वर्धमान था, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे।
- उनका जन्म 599 ईसा पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को बिहार के वैशाली (क्षत्रियकुंड) में इक्ष्वाकु वंश के राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहाँ हुआ।
- उनके पिता ज्ञात्रिक कबीले के प्रमुख थे, और माता लिच्छवी राजकुमारी थीं।

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

महावीर के बारे में

- 30 वर्ष की आयु में उन्होंने राजसी वैभव त्यागकर संन्यास लिया।
- 12.5 वर्ष की तपस्या के बाद, 42 वर्ष की आयु में उन्हें कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ।
- इसके बाद, उन्होंने 30 वर्ष तक अर्धमगधी भाषा में उपदेश दिए, जो आम जनता की भाषा थी।
- महावीर ने अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पंच महाव्रतों को प्रचारित किया, जिसमें उन्होंने 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के चार व्रतों में ब्रह्मचर्य को जोड़ा।

DAILY CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

महावीर के बारे में

- उनके दर्शन में अनेकांतवाद और स्याद्वाद प्रमुख हैं, जो सत्य की बहु-पक्षीय प्रकृति को समझाते हैं।
- महावीर ने सामाजिक बुराइयों, जैसे हिंसा, पशुबलि और जातिगत भेदभाव, का विरोध किया। 468 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में पावापुरी (बिहार) में उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया, जिसे जैन दीपावली के रूप में मनाते हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

महावीर के बारे में

उनके योगदान

- श्रमण परंपरा: महावीर ने श्रमण संस्कृति को व्यवस्थित रूप दिया, जो वैदिक यज्ञों के विरुद्ध थी।
- सामाजिक सुधार: उन्होंने जाति और लिंग भेदभाव का विरोध किया। श्वेतांबर संप्रदाय के अनुसार, उन्होंने महिलाओं को भी मोक्ष का मार्ग बताया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

कैवल्य ज्ञान दिवस 2025

Result Mitra

महावीर के बारे में

उनके योगदान

- जैन आगम: उनके उपदेशों को उनके शिष्य इंद्रभूति गौतम ने जैन आगमों में संकलित किया, हालाँकि ये बाद में मौखिक परंपरा में कुछ हद तक खो गए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: जैन धर्म में 'कैवल्य ज्ञान' का क्या अर्थ है?

A) यह आत्मा की सर्वोच्च अवस्था है, जो उसे जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है

B) यह एक प्रकार का मानसिक शांति प्राप्त करने का साधन है

C) यह एक शारीरिक स्वास्थ्य का सिद्धांत है

D) यह केवल ज्ञान के बारे में सिद्धांत है, आचरण का नहीं

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A) यह आत्मा की सर्वोच्च अवस्था है, जो उसे जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है

व्याख्या:

- कैवल्य ज्ञान जैन धर्म में आत्मा की सर्वोच्च अवस्था है, जिसमें आत्मा सभी कर्मों से मुक्त होकर सर्वज्ञ और सर्वदर्शी बन जाती है। यह ज्ञान आत्मा को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति और मोक्ष प्रदान करता है। इसे प्राप्त करने वाले को केवलिन या अरिहंत कहा जाता है।

रबींद्रनाथ जयंती

UPSC Mains Paper - 1

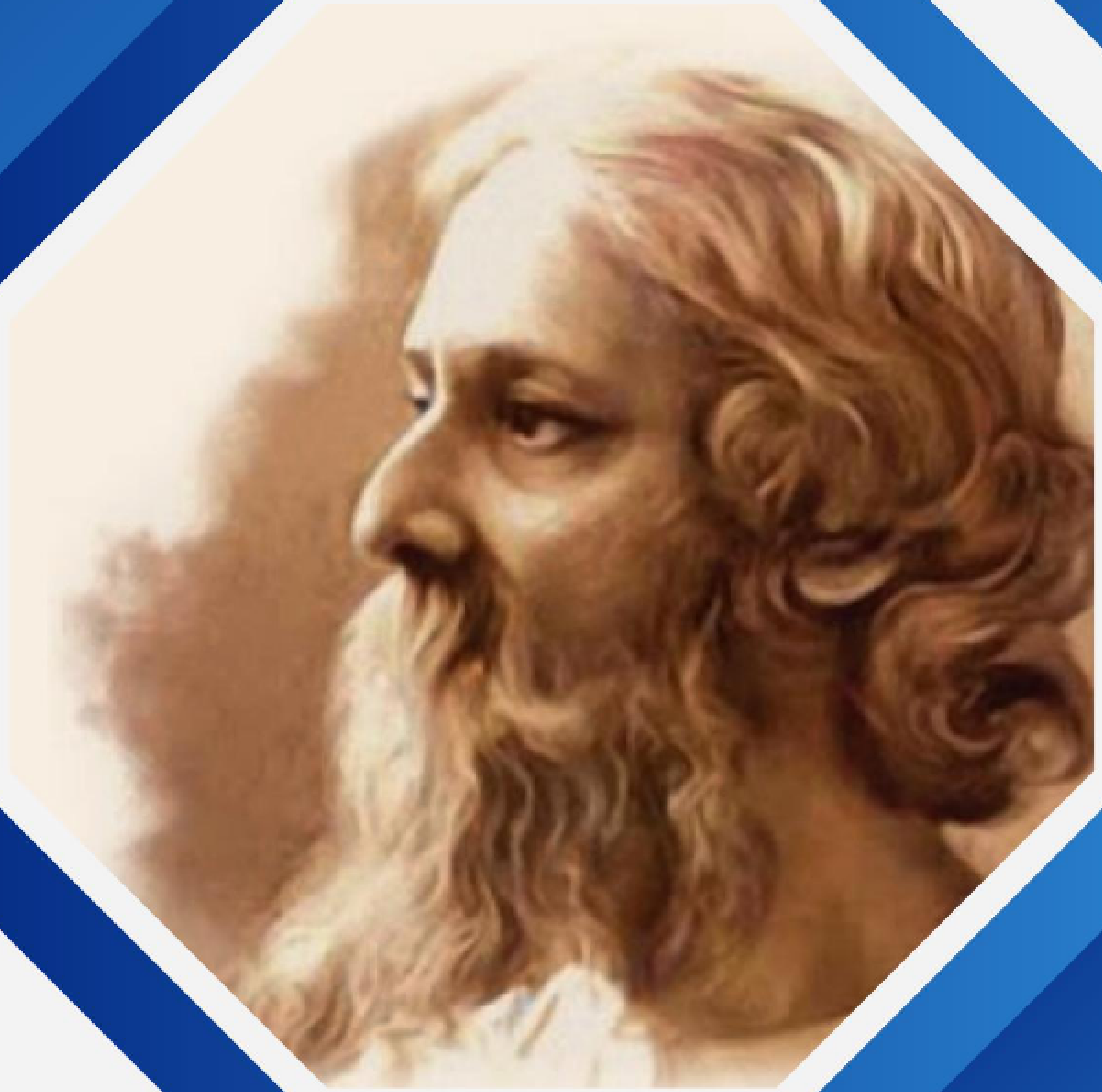

Result Mitra™

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

चर्चा में क्यों?

- 7 मई 2025 को भारत ने रबींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती मनाई।
- रबींद्रनाथ टैगोर, जिन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है, भारत के महान साहित्यकार, दार्शनिक, कवि और स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्त्रोत थे।

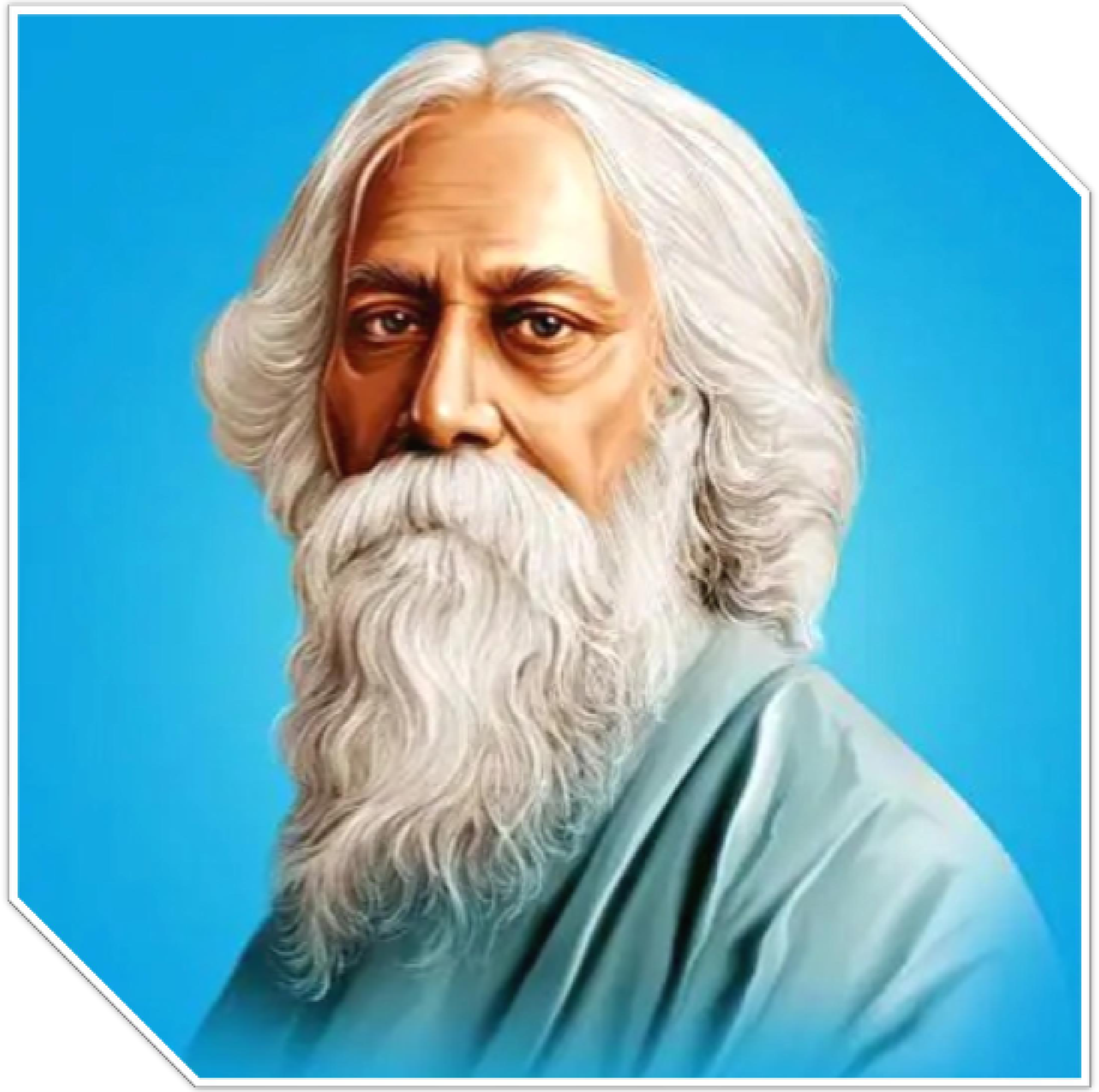

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

रबींद्रनाथ जयंती

- 7 मई 2025 को, रबींद्रनाथ जयंती के अवसर पर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अन्य राज्यों में विशेष आयोजन हुए।
- शांतिनिकेतन में विश्व-भारती विश्वविद्यालय, जिसकी स्थापना टैगोर ने की थी, में सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता पाठ और रवीन्द्र संगीत के प्रदर्शन आयोजित किए गए।
- स्कूलों, कॉलेजों और साहित्यिक संस्थानों में टैगोर की रचनाओं पर चर्चाएँ और नाट्य प्रदर्शन हुए।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

- रबींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- वे देवेन्द्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के 14वें पुत्र थे।
- उनके परिवार का बंगाल पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण योगदान था।
- रबींद्रनाथ ने औपचारिक शिक्षा कम ली, लेकिन घर पर ही साहित्य, संगीत और दर्शन की गहन शिक्षा प्राप्त की।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

- 17 वर्ष की आयु में वे इंग्लैंड गए, जहाँ उन्होंने कानून की पढ़ाई शुरू की, लेकिन साहित्य और संगीत के प्रति झुकाव के कारण इसे छोड़ दिया।
- वे कवि, उपन्यासकार, नाटककार, संगीतकार, चित्रकार और शिक्षाविद् थे।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

- 1913 में, उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार (साहित्य) से सम्मानित किया गया, जिससे वे पहले गैर-यूरोपीय नोबेल विजेता बने।
- उनकी मृत्यु 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में हुई, लेकिन उनकी रचनाएँ आज भी प्रासंगिक हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

भारतीय इतिहास में योगदान

- **बंगाल पुनर्जागरण:** टैगोर ने बंगाल पुनर्जागरण को साहित्य, कला और शिक्षा के माध्यम से समृद्ध किया। उनके लेखन ने सामाजिक सुधारों, जैसे विधवा विवाह और नारी शिक्षा, को प्रोत्साहित किया।

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

भारतीय इतिहास में योगदान

- **शिक्षा सुधार:** 1901 में, उन्होंने शांतिनिकेतन में एक स्कूल की स्थापना की, जो 1921 में विश्व-भारती विश्वविद्यालय बना। यहाँ उन्होंने प्रकृति के बीच खुली शिक्षा और रचनात्मकता पर जोर दिया, जो आधुनिक शिक्षा का एक अनूठा मॉडल था।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

भारतीय इतिहास में योगदान

- **राष्ट्रवाद और स्वदेशी आंदोलन:** टैगोर ने 1905 के बंगाल विभाजन के खिलाफ स्वदेशी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने राखी बंधन उत्सव को हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

भारतीय इतिहास में योगदान

- **राष्ट्रगान:** उनकी रचना जन गण मन 1911 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाई गई और 1950 में भारत का राष्ट्रगान बनी। उनकी एक अन्य रचना आमार सोनार बांग्ला बांग्लादेश का राष्ट्रगान है।
- **अंतरराष्ट्रीय प्रभाव:** टैगोर ने भारत और पश्चिम के बीच सांस्कृतिक सेतु बनाया। उनकी विश्व यात्राओं और लेखन ने भारतीय दर्शन और साहित्य को वैश्विक मंच पर पहुँचाया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

साहित्यिक कृतियाँ

टैगोर की साहित्यिक कृतियाँ विश्व साहित्य की धरोहर हैं।

प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं:

- काव्य: गीतांजलि (1910), पूरबी, बालक, सोनार तारी। गीतांजलि की कविताएँ आध्यात्मिकता और मानवता से ओतप्रोत हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं:

- उपन्यास: गोरा (1910), जो राष्ट्रीयता और सामाजिक सुधार पर आधारित है; घरे बाइरे (1916), जो स्वदेशी आंदोलन की पृष्ठभूमि में है; चोखेर बाली (1903), जो नारी मन की जटिलताओं को दर्शाता है।
- नाटक: डाकघर (1912), जो आध्यात्मिक मुक्ति का प्रतीक है; चित्रांगदा और चंडालिका, जो नारी सशक्तिकरण पर आधारित हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं:

- लघु कथाएँ: काबुलीवाला, क्षुधित पाषाण, नष्टनीड़। ये कहानियाँ सामाजिक और मनोवैज्ञानिक गहराई को दर्शाती हैं।
- रवीन्द्र संगीत: टैगोर ने लगभग 2,230 गीत लिखे, जिन्हें रवीन्द्र संगीत कहा जाता है। ये गीत प्रकृति, प्रेम और आध्यात्मिकता से प्रेरित हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

आजादी के मार्गदर्शक

- टैगोर ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वैचारिक और सांस्कृतिक नेतृत्व प्रदान किया।
- हालाँकि वे गांधी के असहयोग आंदोलन से पूरी तरह सहमत नहीं थे और हिंसा का विरोध करते थे, फिर भी उन्होंने राष्ट्रवाद को अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेरित किया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

आजादी के मार्गदर्शक

- 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में उन्होंने अपनी नाइटहुड की उपाधि ब्रिटिश सरकार को लौटा दी।
- उनकी रचनाएँ, जैसे एकला चलो रे, ने स्वतंत्रता सेनानियों को आत्मनिर्भरता और साहस का संदेश दिया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रबींद्रनाथ टैगोर जयंती

Result Mitra

रबींद्रनाथ टैगोर के बारे में

आजादी के मार्गदर्शक

- टैगोर का दर्शन वैश्विक एकता और मानवतावाद पर आधारित था।
- उन्होंने भारत को केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं देखा, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक उत्थान की वकालत की।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.रबींद्रनाथ टैगोर भारत और बांग्लादेश – दोनों देशों के राष्ट्रगान के रचयिता हैं।

2. उन्होंने शांतिनिकेतन में स्थापित विद्यालय को बाद में विश्व-भारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया।

3. टैगोर को नोबेल पुरस्कार "गीतांजलि" के अंग्रेज़ी अनुवाद के लिए मिला था।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3 सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: D) 1, 2 और 3 सभी

- व्याख्या:
- टैगोर की रचना "जन गण मन" भारत का और "आमार सोनार बांग्ला" बांग्लादेश का राष्ट्रगान है।
- उन्होंने 1901 में शांतिनिकेतन में एक विद्यालय की स्थापना की, जो 1921 में विश्व-भारती विश्वविद्यालय बना।
- 1913 में टैगोर को "गीतांजलि" के अंग्रेज़ी अनुवाद के लिए नोबेल पुरस्कार मिला।

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

UPSC Mains Paper - 3

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की अप्रैल 2025 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

भारत की आर्थिक उन्नति

- IMF की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत की नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 4.19 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो जापान की अनुमानित 4.18 ट्रिलियन डॉलर की GDP से थोड़ा अधिक होगा।
- 2024 में भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन यह उपलब्धि इसे एक पायदान ऊपर ले जाएगी।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

भारत की आर्थिक उन्नति

- भारत की यह प्रगति मजबूत घरेलू मांग, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते निजी खर्च और सरकार की सुधारवादी नीतियों का परिणाम है।
- IMF ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया है, जिसकी वृद्धि दर अगले दो वर्षों में 6% से अधिक रहने की उम्मीद है।

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

भारत की आर्थिक उन्नति

- 2025 के लिए भारत की GDP वृद्धि दर को 6.5% से घटाकर 6.2% किया गया है, जिसका कारण वैश्विक व्यापार तनाव और अमेरिकी टैरिफ नीतियाँ हैं।
- फिर भी, भारत की वृद्धि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में स्थिर और मजबूत है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

जापान और जर्मनी की आर्थिक चुनौतियाँ

- जापान की अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 में केवल 0.6% की मामूली वृद्धि दर्ज करेगी।
- इसका कारण वैश्विक व्यापार में कमजोरी और निर्यात पर इसकी अधिक निर्भरता है।
- दूसरी ओर, जर्मनी, जो वर्तमान में चौथे स्थान पर है, को भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

जापान और जर्मनी की आर्थिक चुनौतियाँ

- IMF ने 2025 में जर्मनी के लिए शून्य वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसके बाद 2026 में 0.9% की मामूली रिकवरी होगी।
- 2028 तक जर्मनी की GDP 5.25 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है।
- भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति इसे 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की राह पर है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

जापान और जर्मनी की आर्थिक चुनौतियाँ

- IMF के अनुसार, 2028 में भारत की GDP 5.58 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगी।
- इसके अलावा, 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

- 2025 में अमेरिका 30.51 ट्रिलियन डॉलर की GDP के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा, जबकि चीन 19.23 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा।
- हालांकि, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, जिसे वैश्विक टैरिफ की लहर ने और बढ़ा दिया है।
- अमेरिका की वृद्धि दर 2025 में 1.8% और 2026 में 1.7% रहने का अनुमान है।

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

- यूरो क्षेत्र में भी सुस्त प्रदर्शन की उम्मीद है, जहाँ 2025 में GDP वृद्धि केवल 0.8% और 2026 में 1.2% होगी।
- फ्रांस की वृद्धि 2025 में 0.6% और 2026 में 1.0% रहने की उम्मीद है, जबकि स्पेन 2.5% (2025) और 1.8% (2026) की वृद्धि के साथ अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करेगा।
- यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था 2025 में 1.1% और 2026 में 1.4% की दर से बढ़ेगी।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

भारत की प्रगति के कारण

मजबूत घरेलू मांग:

- ग्रामीण क्षेत्रों में निजी खपत में वृद्धि ने भारत की आर्थिक स्थिरता को बढ़ाया है।

सुधारवादी नीतियाँ:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे सुधारों ने निवेश को आकर्षित किया है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

भारत की प्रगति के कारण

विदेशी मुद्रा भंडार:

- 2024 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया, जो इसे आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है।

जनसांख्यिकीय लाभ:

- युवा कार्यबल और बढ़ती मध्यम वर्ग की खर्च क्षमता ने भारत को वैश्विक निवेश का केंद्र बनाया है।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एक वैश्विक वित्तीय संगठन है, जो वैश्विक आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देता है।
- स्थापना: IMF की स्थापना जुलाई 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में हुई, जिसका उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक व्यवस्था को स्थिर करना था।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में

- उद्देश्य: मौद्रिक सहयोग, वित्तीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, रोजगार वृद्धि और गरीबी उन्मूलन को बढ़ावा देना।
- सदस्यता: 191 देश (2025 तक), जिसमें भारत 1945 से सदस्य है।
- मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका।

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में

- प्रबंधनः बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (प्रत्येक देश का एक प्रतिनिधि), कार्यकारी बोर्ड (24 निदेशक), और प्रबंध निदेशक (वर्तमान में क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, 2019 से)।
- वोटिंग शक्तिः अमेरिका सबसे बड़ा हिस्सेदार, भारत की हिस्सेदारी लगभग 2.64% (2024 तक)।

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में

प्रमुख कार्य

- आर्थिक निगरानी: वैश्विक और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं की निगरानी, नीतिगत सलाह (जैसे, वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक)।
- ऋण सहायता: भुगतान संतुलन समस्याओं के लिए ऋण, जैसे स्टैंड-बाय व्यवस्था, एक्सटेंडेड क्रेडिट फैसिलिटी, और रैपिड फाइनेंसिंग इंस्ट्रूमेंट।
- क्षमता विकास: देशों को वित्तीय, मौद्रिक और सांख्यिकीय नीतियों में तकनीकी सहायता।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में

विशेष आहरण अधिकार (SDR)

- SDR एक अंतरराष्ट्रीय रिजर्व एसेट है, जिसे 1969 में पेश किया गया।
- यह डॉलर, यूरो, येन, पाउंड और युआन की टोकरी पर आधारित है।
- भारत को अगस्त 2021 में 12.95 अरब SDR आवंटित किए गए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की अप्रैल 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

2. IMF ने भारत की 2025 की GDP वृद्धि दर 6.5% से घटाकर 6.2% कर दी है।

3. IMF के अनुमानों के अनुसार, 2028 तक भारत अमेरिका को पीछे छोड़ देगा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

A) केवल 1 और 2 | B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3 | D) 1, 2 और 3 सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- कथन 1 सही है – IMF की अप्रैल 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत की GDP 4.19 ट्रिलियन डॉलर पहुँचने की उम्मीद है, जो जापान की तुलना में अधिक होगी।
- कथन 2 सही है – IMF ने भारत की 2025 की GDP वृद्धि दर 6.5% से घटाकर 6.2% कर दी है।
- कथन 3 गलत है – IMF के अनुसार, भारत 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, लेकिन अमेरिका को पीछे नहीं छोड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

UPSC Mains Paper - 2

DAILY CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 7 मई 2025 को भारत द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी करते हुए पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 का उल्लंघन किया है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 51

- 1945 में अपनाया गया, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक ढांचा प्रदान करता है।
- इसका अनुच्छेद 51 सदस्य देशों को आत्मरक्षा का अधिकार देता है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 51

इसके अनुसार:

- "वर्तमान चार्टर में कुछ भी संयुक्त राष्ट्र के किसी सदस्य के खिलाफ सशस्त्र हमले की स्थिति में व्यक्तिगत या सामूहिक आत्मरक्षा के स्वाभाविक अधिकार को प्रभावित नहीं करेगा, जब तक कि सुरक्षा परिषद ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक उपाय नहीं किए।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 51

इसके अनुसार:

- आत्मरक्षा के इस अधिकार के प्रयोग में सदस्यों द्वारा उठाए गए उपायों को तुरंत सुरक्षा परिषद को सूचित किया जाएगा और यह किसी भी तरह से सुरक्षा परिषद की जिम्मेदारी और अधिकार को प्रभावित नहीं करेगा, जो चार्टर के तहत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने या पुनर्स्थापित करने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले कदम उठा सकती है।"

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- आत्मरक्षा का अधिकार: यह व्यक्तिगत (एक देश) या सामूहिक (गठबंधन) आत्मरक्षा को मान्यता देता है, यदि सशस्त्र हमला हो।
- सुरक्षा परिषद की भूमिका: आत्मरक्षा के उपाय अस्थायी हैं, जब तक सुरक्षा परिषद हस्तक्षेप नहीं करती।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

मुख्य बिंदु:

- रिपोर्टिंग: आत्मरक्षा में उठाए गए कदमों की तत्काल सूचना सुरक्षा परिषद को देनी होगी।
- सीमाएँ: यह अधिकार अनुच्छेद 2(4) के तहत संप्रभुता के सम्मान और बल प्रयोग पर प्रतिबंध के अधीन है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

विवाद और कानूनी बहस

भारत का पक्ष:

- भारत का कहना है कि पहलगाम हमला एक सशस्त्र हमला था, जो पाकिस्तान से संचालित आतंकी समूहों द्वारा समर्थित था। अनुच्छेद 51 के तहत, भारत ने तर्क दिया कि यह हमला आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए "आवश्यक और आनुपातिक" था।

DAILY CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51

Result Mitra

विवाद और कानूनी बहस

- **पाकिस्तान का पक्ष:** पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता का उल्लंघन और नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया, दावा किया कि हमले बिना तत्काल खतरे के थे, जो अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन है।
- **अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया:** अमेरिका और फ्रांस ने संयम की अपील की, जबकि चीन ने भारत की कार्रवाई को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.यह सदस्य देशों को सशस्त्र हमले की स्थिति में व्यक्तिगत या सामूहिक आत्मरक्षा का अधिकार प्रदान करता है।

2. आत्मरक्षा की स्थिति में लिया गया कोई भी कदम संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनुमति के बाद ही वैध माना जाता है।

3. आत्मरक्षा के तहत उठाए गए कदमों की जानकारी सुरक्षा परिषद को तुरंत दी जानी चाहिए।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A) केवल 1 और 3

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 2

D) 1, 2 और 3 सभी

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 सही है – अनुच्छेद 51 आत्मरक्षा का अधिकार स्पष्ट रूप से देता है, चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामूहिक।
- कथन 2 गलत है – आत्मरक्षा के लिए महासभा की अनुमति की आवश्यकता नहीं है, केवल सुरक्षा परिषद को सूचना देना आवश्यक है।
- कथन 3 सही है – अनुच्छेद के अनुसार, आत्मरक्षा के उपायों की सूचना तुरंत सुरक्षा परिषद को दी जानी चाहिए।

Thank You

Result Mitra™